Total No. of Questions - 2] [Total Pages : 3

(2062)

9835

M.A. Examination

SANSKRIT

(निबन्ध तथा अनुवाद)

Paper–XVI

(Semester-IV)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

इकाई-क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर संस्कृत में निबन्ध लिखें :

   (क) उपमा कालिदासस्य।

   (ख) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्।

   (ग) पर्यावरणसंरक्षणम्।

(घ) एको रसः करुण एव।

(ङ) माघे सन्ति त्रयो गुणाः।

(च) अलंकारसम्प्रदायः। 40(50)

इकाई-ख

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :

(i) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(ii) यह आत्मा अजर और अमर है।

(iii) अहिंसा परम धर्म है।

(iv) सभी लोग संसार में सुख चाहते हैं।

(v) संसार में एकता की अत्यन्त आवश्यकता है।

(vi) वेद में भी ब्रह्मचर्य की महिमा वर्णित है।

(vii) परिश्रम से मत बचो।

(viii) धनोपार्जन के अनेक साधन हैं।

(ix) सत्य की विजय होती है।

(x) राम ने रावण को मारा।

(xi) अपने धर्म को कभी भी छोड़ना नहीं चाहिए।

(xii) मोहन विप्र के लिए गाय प्रदान करता है।

(xiii) सज्जनों की संगति से मनुष्य उन्नति प्राप्त करता है।

(xiv) स्वास्थ्य लाभ के लिए व्यायाम करना चाहिए।

(xv) विद्या से मनुष्य सर्वत्र सम्मान प्राप्त करता है।

20(25)

(ख) निम्नलिखित गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद करें :

रामायण संस्कृत साहित्य का उच्च कोटि का महाकाव्य है। इसे आदिकाव्य भी कहा जाता है। इसके रचयिता महर्षि वाल्मीकि हैं। इसमें मर्यादापुरुषोत्तम राम के जीवनचरित का वर्णन है। इसमें भारतीय संस्कृति का सुन्दरतम रूप वर्णित है। काव्य की दृष्टि से भी यह बहुत सुन्दर काव्य है। इसमें बहुत उच्च तथा मनोरम भाव हैं। इसकी शिक्षायें व्यवहारिक हैं। रामायण पर आधारित बहुत से नाटक तथा महाकाव्य हैं। संसार की बहुत सी भाषाओं में इसका अनुवाद हो चुका है। महर्षि वाल्मीकि की कीर्ति आज भी अजर तथा अमर है।

20(25)